तापमान
अधिकतम 28 .0 डिग्री
न्यूनतम 15 .0 डिग्री

हरिभूमि
सोनीपत भूमि

रोहतक, सोमवार 16 मार्च 2026

11 गैस किल्लत के लिए सरकार जिम्मेदार

12 बाबा श्याम मनोकामना करते पूर्ण : जैन

खबर संक्षेप

महिला विवि में 17 से लोक कला उत्सव

गोहाना। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय में 17 से 19 मार्च तक लोक कला उत्सव आयोजित किया जाएगा। संस्कृति मंत्रालय की कला विकास योजना के अंतर्गत और उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र पटियाला के सहयोग से यह कार्यक्रम होगा। उत्सव में विभिन्न राज्यों के कलाकार लोक नृत्य व लोक गायन की प्रस्तुतियां देंगे। यह कार्यक्रम धर्मपुत्र कला मंच गोहाना द्वारा आयोजित किया जाएगा, जिसमें विश्वविद्यालय प्रशासन का सहयोग रहेगा। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि छात्राओं और अन्य लोगों को विभिन्न राज्यों की संस्कृति, भाषा, पहनावा के नजदीक से देखने का अवसर मिलेगा। दिल्ली से नृत्यभूमि डांस फाउंडेशन द्वारा भगवान शिव पर आधारित भरतनाट्यम व पंजाब से गुरलीन कौर द्वारा लोक गायन की प्रस्तुति दी जाएगी। मंच के अध्यक्ष मनोज जाले के अनुसार कार्यक्रम के पहले दिन उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र के अतिरिक्त निदेशक रविंद्र शर्मा मुख्य अतिथि होंगे।

फर्जी दस्तावेजों पर लोन लिया, तीन पर केस दर्ज

सोनीपत। शहर के गोहाना रोड स्थित ओम नगर में पारिवारिक संपत्ति को कथित रूप से फर्जी दस्तावेजों के आधार पर बैंक में गिरवी रखकर लोन लेने का मामला सामने आया है। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने भाई, भाभी और एक बैंक अधिकारी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शिकायतकर्ता सुरेश कुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वर्ष 1999 में परिवार में आपसी सहमति से संपत्ति का बंटवारा हो गया था और दोनों भाई अलग-अलग हिस्सों में रहने लगे थे। उन्होंने बताया कि वर्ष 2012 में उनके पिता जीवन सिंह ने पंजीकृत वसीयत के माध्यम से पूरी संपत्ति उनके नाम कर दी थी। इसके बावजूद आरोप है कि उनके भाई कृष्ण और भाभी शर्मीला ने वर्ष 2015 में सिक्का कॉलोनी स्थित पंजाब नेशनल बैंक के तत्कालीन मैनेजर से मिलीभगत कर फर्जी दस्तावेजों और पिता के नाम से कथित फर्जी हस्ताक्षर कर लोन ले लिया।

भटाना के मंदिर से कलश चोरी, ग्रामीणों में रोष

सोनीपत। जिले के भटाना गांव में स्थित एक मंदिर में चोरी की घटना सामने आने से ग्रामीणों में रोष फैल गया। अज्ञात लोग रात के अंधेरे में मंदिर की गुंबद पर चढ़कर वहां लगा पवित्र कलश उखाड़कर ले गए। घटना का पता रविवार सुबह उस समय चला जब ग्रामीण रोजाना की तरह पूजा-अर्चना के लिए मंदिर पहुंचे और उन्होंने गुंबद से कलश गायब देखा। ग्रामीणों ने इस घटना को धार्मिक स्थल के साथ छेड़छाड़ बताते हुए नाराजगी जताई। मामले की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया।

बदला मौसम का मिजाज : रुक-रुककर हुई बूंदाबांदी ने बढ़ाई किसानों की चिंता

सरसों और गेहूं के दाने खराब होने का खतरा, सब्जियों में भी नुकसान का डर

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

जिले में मौसम का मिजाज रविवार सुबह अचानक बिगड़ गया। सुबह गरजना के साथ हुई 3.5 एमएम बारिश ने किसानों के माथों पर चिंता की लकीरे खीचीं। हालांकि सुबह 4 बजे से 7 बजे रुक-रुककर बारिश का दौर जारी रहा। इसके बाद तेज हवाओं के चलते फिर से सूर्य खिलखिला उठा। बारिश से जहां तापमान में गिरावट दर्ज की गई, वहीं किसानों को अपनी फसलों में नुकसान की होने आशंका से उनके अरमानों पर पानी फिरने का डर बना रहा। रबी सीजन की फसलें पकने की कगार पर पहुंच गई है। इसके बाद तेज हवाएं चलने से दिनभर मौसम सुहाना बना रहा। वहीं मौसम विशेषज्ञों की मानें तो मार्च माह में बैक टू बैक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होंगे। ऐसे में मौसम परिवर्तनशील बना रहेगा, 22 मार्च तक बूंदाबांदी के आसार बने रहेंगे।

जिले में करीब एक सप्ताह से तापमान में हो रही बढ़ोतरी लोगों को भीषण गर्मी का अहसास करवाने लगी थी। ऐसे में दोपहर का अधिकतम तापमान करीब 35 डिग्री व न्यूनतम तापमान भी 17 डिग्री तक पहुंच गया था। लोगों को मार्च माह में ही अप्रैल-मई की तरह गर्मी का अहसास होने लगा था। उधर खेतों में किसान सरसों की फसल कटाई में व्यस्त थे। कुछ क्षेत्रों में जहां सरसों की फसल पककर तैयार है तो कहीं गेहूं की फसल भी पकने के कगार पर पहुंच चुकी है। इसके अलावा सब्जियों की फसलों पर फूल आने लगे हैं। इस बीच शनिवार को एक कमजोर पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हुआ और रविवार अलसुबह करीब 4 बजे तेज गरजना के साथ बूंदाबांदी हुई। बारिश का दौर 7 बजे तक जारी रहा। मौसम के अचानक करवट लेने से किसानों के माथों पर चिंता की लकीरें नजर आने लगी। जगदीशपुर कृषि केंद्र स्थित मौसम केंद्र के अनुसार सोनीपत स में रविवार सुबह करीब 3.5 एमएम बारिश दर्ज की गई। जिले के अन्य क्षेत्रों में भी रूक-रूककर बारिश हुई। इसके बाद दोपहर तक कभी धूप निकलने तो कभी आसमान में बादल छाए रहे। दोपहर बाद मौसम पूरी तरह साफ रहा, लेकिन हवाएं चलने से तापमान में गिरावट आई। दिन का अधिकतम तापमान जहां 28 डिग्री दर्ज किया गया, वहीं न्यूनतम तापमान करीब 15 डिग्री दर्ज हुआ। मौसम विशेषज्ञों की मानें तो 19 मार्च से एक मध्यम श्रेणी का पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होगा, जिसके कारण बूंदाबांदी के आसार बनेंगे। तेज हवाएं चलने से लोगों को बढ़ती गर्मी से निजात मिल सकेगी।

- चल रही सरसों की कटाई
- रविवार सुबह 4 से सात बजे तक हुई बारिश
- 22 तक बूंदाबांदी की संभावना

पश्चिमी विक्षोभ से बारिश

दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में कमजोर पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने के चलते रविवार को बारिश हुई है। अब 19 मार्च को फिर से एक मध्यम श्रेणी कर पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होगा। इससे तेज हवाएं चलने के साथ बारिश होने की संभावना बनी रहेगी। मार्च के अंतिम दिनों में मौसम परिवर्तनशील बना रहेगा।

-प्रो. चंद्रमोहन, मौसम विशेषज्ञ

शहर के सुभाष चौक के पास बारिश के कारण जलभराव हो गया

1.50 लाख हेक्टेयर में गेहूं की बिजाई : जिले में कई जगह सरसों फसल की कटाई का कार्य शुरू हो गया है। किसान अपनी फसल को लेकर मंडी में पहुंचने लगे हैं। इसके अलावा गेहूं की फसल भी पकने को तैयार है। जिले में किसानों की ओर से 1.50 लाख हेक्टेयर भूमि पर गेहूं की फसल उगाई गई है। अब तक खेतों में गेहूं की फसल बेहतर है। साथ ही टमाटर व शिमला मिर्च जैसी सब्जियों की फसल का उत्पादन भी शुरू होने वाला है। बारिश के कारण सब्जियों के फूल झड़ने से उत्पादन पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। फिलहाल फसलों के दृष्टिगत किसानों के लिए साफ मौसम की आवश्यकता है। ऐसे समय में तेज हवा, बारिश या ओले गिरने से फसल को भारी नुकसान हो सकता है। इससे किसानों को आर्थिक नुकसान झेलना पड़ सकता है।

28 अवैध कमर्शियल गैस सिलेंडर बरामद

सैदपुर में फैक्ट्री पर छापा, जब्त

खरखौदा। मौके पर कार्रवाई करते अधिकारी व बरामद सिलेंडर।

खरखौदा। सीएम फ्लाइंग और खाद्य एवं आपूर्ति विभाग की संयुक्त टीम ने उपमंडल के गांव सैदपुर की एक फैक्ट्री से 28 अवैध कमर्शियल गैस सिलेंडर बरामद किए हैं। टीम ने जटोला रोड स्थित श्री बालाजी इंटरप्राइजेज फैक्ट्री पर छापा मारकर उक्त कार्रवाई को अंजाम दिया है। खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के उपनिरीक्षक अजीत सिंह ने बताया कि राज्य सरकार के निर्देशानुसार घरेलू या कमर्शियल गैस सिलेंडरों का अवैध भंडारण पूरी तरह प्रतिबंधित है।

विभाग को सूचना मिली थी कि सैदपुर गांव में जटोला रोड पर स्थित श्री बालाजी इंटरप्राइजेज फैक्ट्री में अवैध रूप से गैस सिलेंडरों का भंडारण किया जा रहा है। सूचना के आधार पर सीएम फ्लाइंग, खाद्य आपूर्ति विभाग की टीम और खरखौदा पुलिस ने मौके पर छापा मारा। जांच के दौरान फैक्ट्री से 12 भरे हुए कमर्शियल सिलेंडर, 12 खाली कमर्शियल सिलेंडर तथा चार कमर्शियल सिलेंडर उपयोग में लगे हुए मिले। टीम ने फैक्ट्री मालिक से गैस भंडारण से संबंधित वैध दस्तावेज प्रस्तुत करने को कहा। लेकिन वह मौके पर कोई दस्तावेज पेश नहीं कर पाया। इसके बाद विभाग ने सभी सिलेंडरों को कब्जे में लेकर नियमों के अनुसार आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि गैस सिलेंडरों का अवैध भंडारण करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

समाज सेवा समिति की बैठक में कई मुद्दों पर मंथन

सोनीपत। समाज सेवा समिति, सोनीपत की कार्यकारिणी सभा का आयोजन रविवार को सेवा सदन, कबीरपुर में किया गया। बैठक में आगामी 22 मार्च 2026 को आयोजित होने वाले जरूरतमंद कन्याओं के सामूहिक विवाह कार्यक्रम की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि सामूहिक विवाह कार्यक्रम समाज सेवा समिति का प्रमुख सामाजिक कार्य है, जिसके माध्यम से जरूरतमंद परिवारों की बेटियों का विवाह सम्मानपूर्वक संपन्न कराया जाता है। बैठक में विवाह समारोह की व्यवस्थाओं, अतिथियों के स्वागत, भोजन व्यवस्था, मंच संचालन तथा अन्य जरूरी तैयारियों को लेकर सदस्यों के बीच विस्तार से विचार-विमर्श हुआ।

यूएस में बैठे युवक के इशारे पर करनी थी हत्या, दो गिरफ्तार

पुलिस ने घेराबंदी कर पकड़ा, हथियार बरामद

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

थाना मोहाना पुलिस ने एक बड़ी वारदात को होने से पहले ही विफल करते हुए दो युवकों को अवैध हथियारों के साथ गिरफ्तार किया है।

- अमेरिका में रह रहा रोहित
- पुलिस ने शुरू की जांच

आरोपितों की पहचान मोहित और तरुण उर्फ बच्ची निवासी गांव सलीमपुर ट्राली के रूप में हुई है। पुलिस ने उनके कब्जे से दो पिस्टल और कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार 13 मार्च की शाम को सूचना मिली थी कि दो युवक मोहाना गांव के एक व्यक्ति की हत्या करने की योजना बनाकर इलाके में घूम रहे हैं।

सूचना मिलने पर एएसआई आशीष के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मोहाना-सलारपुर माजरा रोड स्थित रेलवे अंडरब्रिज के पास खेतों में बने एक पिग फार्म के नजदीक दबिश दी। वहां दो युवक संदिग्ध हालत में बैठे मिले।

पुलिस को देखकर दोनों खेतों की ओर जाने लगे, लेकिन घेराबंदी कर उन्हें पकड़ लिया गया। तलाशी के दौरान उनके पास से दो पिस्टल और कारतूस बरामद हुए।

मोहाना के युवक को मारने आए थे

पूछताछ में सामने आया कि वे अमेरिका में रह रहे पांची गांव के रोहित के कहने पर मोहाना के एक युवक की हत्या करने आए थे। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जांच अधिकारी एएसआई विक्रम का कहना है कि रोहित की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

गठवाला खाप ने लव मैरिज और लिव इन रिलेशनशिप पर प्रतिबंध लगाया

छिछड़ाना में खाप की चबूतरा विकास समिति की वार्षिक बैठक में प्रस्ताव पारित

हरिभूमि न्यूज ⏭ गोहाना

गांव छिछड़ाना में गठवाला (मलिक) खाप के चबूतरे पर रविवार को खाप चबूतरा विकास समिति की वार्षिक बैठक आयोजित हुई। बैठक में खाप ने लव मैरिज, लिव इन रिलेशनशिप, दहेज प्रथा और मृत्युभोज पर प्रतिबंध लगाते हुए प्रस्ताव पारित किया। संगठन के विस्तार में इस दौरान खाली पदों पर नियुक्तियां भी की गई। मंच संचालन खाप के राष्ट्रीय महासचिव अशोक मदीना ने किया।

खाप के राष्ट्रीय अध्यक्ष कुलदीप मलिक ने कहा कि समाज की मजबूती के लिए सामाजिक कुरीतियों पर प्रतिबंध लगाना जरूरी है। लव मैरिज, लिव इन रिलेशनशिप, दहेज प्रथा और मृत्युभोज पर प्रतिबंध जरूरी है। युवा पीढ़ी को नशे से बचाने के लिए शिक्षा के साथ खेलों की तरफ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया जाए। लड़की की शादी की आयु कानूनी तौर पर 18 वर्ष ही सुनिश्चित की जाए। कार्यक्रम में उत्तरप्रदेश से मित्रपाल मलिक, खाप के राष्ट्रीय महासचिव अशोक मलिक मदीना, पूर्व प्राचार्य कुलदीप मलिक, भूपेंद्र मलिक, निदेशक समुंद्र सिंह, जोगेंद्र मलिक, बिजेंद्र कमांडो, रानी गहलावत, तकदीर नरवाल, चेयरमैन मोनिका दहिया, जिला पार्षद राजेश मलिक सहित अन्य मौजूद रहे।

संगठन का विस्तार : खाप द्वारा अपने संगठन के विस्तार के लिए इस दौरान रिक्त पदों पर पूर्व सरपंच समुंद्र मलिक मैंसवाल को संगठन प्रभारी, धर्मपाल मलिक को राष्ट्रीय प्रैस प्रवक्ता, जगबीर मलिक को रिवाड़ा चौगामा प्रधान, सुरेंद्र मलिक रूखी को युवा अध्यक्ष, नरेन्द्र मलिक खानपुर को युवा उपाध्यक्षा, संदीप मलिक मैंसवाल को कोषाध्यक्ष, सूबेदार राजेंद्र मलिक को ऐंचरा चौगामा अध्यक्ष की जिम्मेवारी दी गई।

टेट को लेकर विधायकों को ज्ञापन सौंपेगा अध्यापक संघ

सोनीपत। बैठक करते अध्यापक संघ की जिला कार्यकारिणी के पदाधिकारी।

सोनीपत। सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा एवं स्कूल टीचर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया से संबंधित हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ की जिला कार्यकारिणी ने रविवार को विभिन्न मांगों को लेकर बैठक की। जिसकी अध्यक्षता जिला प्रधान नरेंद्र चहल व संचालन जिला सचिव दिनेश छिक्कारा ने किया। बैठक में संगठन के राज्य सचिव जोगिंद्र सिंह भी शामिल रहे। जिला प्रधान नरेंद्र चहल ने कहा कि 10 अगस्त 2010 से पूर्व नियुक्त अध्यापकों पर टेट की शर्त सर्वोच्च न्यायालय के माध्यम से लागू कर उन्हें बाहर करने की साजिश रची जा रही है। जनवरी 2006 के बाद पेंशन बंद कर दी गई है। गैर शैक्षणिक कार्यों की भरमार है। इन सभी के माध्यम से सरकार लगातार अध्यापकों के हकों को समाप्त करने, शिक्षा को सिकोड़ने के प्रयास कर रही है। टेट को लेकर हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ, हरियाणा के सभी विधायकों को ज्ञापन सौंपेगा।

एसएमडीए ने सीएमओ कार्यालय से फाइल वापस आने के बाद शुरू की टेंडर प्रक्रिया

कुंडली नगर पालिका क्षेत्र में 46 करोड़ से होगा निकासी का प्रबंध, सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट लगाने की भी तैयारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

सोनीपत शहरी विकास प्राधिकरण (एसएमडीए) की ओर से कुंडली नगर पालिका क्षेत्र में पानी निकासी के लिए जल्द सीवर लाइन डलवाकर लोगों को इस समस्या से निजात दिलाई जाएगी। निकासी का प्रबंध होने से क्षेत्र में रह रहे करीब एक लाख से ज्यादा लोगों को उक्त समस्या से राहत मिल सकेगी। साथ ही पानी के शोधन के लिए सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट लगाने की तैयारी भी की जा रही है। एसएमडीए की ओर से उक्त कार्यों पर करीब 46 करोड़ रुपये की राशि खर्च की जाएगी। एसएमडीए ने सीएमओ कार्यालय से फाइल वापस आने के बाद पुनः टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी है। टेंडर प्रक्रिया के बाद कार्य की शुरुआत की जाएगी। कुंडली नपा क्षेत्र में फिलहाल दूषित पानी की निकासी के लिए कोई उचित व्यवस्था नहीं है। ऐसे में यहां गलियों व मुख्य मार्गों पर जलभराव की स्थिति बनी रहती है। इसके समाधान के लिए कुंडली में सीवर व्यवस्था का जाल बिछाने के लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने 10 जुलाई 2024 को 54.69 करोड़ रुपये की राशि को मंजूरी प्रदान की थी। वहीं 29.74 करोड़ रुपये से गलियों व मुख्य मार्गों पर 7.2 किलोमीटर लंबी सीवर लाइन डालने का निर्णय लिया गया है। हालांकि तीसरी बार टेंडर लगाने के बाद एजेंसियां काम करने के लिए आगे भी आई थी। एसएमडीए ने टेंडर आंवटन के लिए फाइल को सितंबर 2025 में सीएम कार्यालय में भेजा था। टेंडर प्रक्रिया में सीवर लाइन डलने व एसटीपी निर्माण के बाद देखरेख की जिम्मेदारी न होने के चलते मुख्यमंत्री ने फाइल को वापस भेज दिया था। वहीं एसएमडीए ने देखरेख का समय निर्धारण करते हुए दोबारा टेंडर लगाया है।

- निकासी का प्रबंध होने से एक लाख से ज्यादा लोगों को मिलेगी राहत

सोनीपत । कुंडली क्षेत्र में निकासी के अभाव में जलभराव से गुजरते वाहन।

पांच डिस्पोजल पंप बनाए जाएंगे

अधिकारियों की मानें तो कुंडली क्षेत्र में पानी की निकासी के लिए एक मेन पंपिंग स्टेशन (एमपीएस) व दो इंटरमीडिएट पंपिंग स्टेशन (आईपीएस) का निर्माण करवाया जाएगा। इस कार्य पर करीब 6.99 करोड़ रुपये की राशि खर्च करने का निर्णय लिया गया है। वहीं पांच जगह पर डिस्पोजल पंप भी बनाए जाएंगे। इनमें प्याऊ मनियारी रोड पर दो, नवल अस्पताल, लांडा कॉलोनी व टीकाराम संस्था के पास डिस्पोजल पंप बनाए जाने हैं। कुंडली क्षेत्र में दूषित पानी को शोधित करने के लिए दो एकड़ में 7.5 एमएलडी का सीवर ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) बनाया जाना है। सीवर का दूषित पानी एसटीपी में शोधित कर ड्रेन नंबर 8 में डाला जाएगा। एसएमडीए की ओर से एसटीपी निर्माण के लिए करीब 12.40 करोड़ रुपये की राशि खर्च की जाएगी।

तीन साल तक ठेकेदार की जिम्मेदारी

कुंडली नगर पालिका क्षेत्र में निकासी व्यवस्था दुरुस्त करवाने के लिए एसएमडीए की ओर से चौथी पर टेंडर लगाया है। सीएम कार्यालय से फाइल वापस आने के बाद पुनः टेंडर प्रक्रिया शुरू की गई है। टेंडर आवंटन होने के बाद निर्माण कार्य को शुरू किया जाएगा। कुंडली में सीवर लाइन के बाद देखरेख की जिम्मेदारी 3 साल व एसटीपी बनने पर देखरेख की जिम्मेदारी 6 साल तक ठेकेदार की होगी। जल्द ही सीवर व्यवस्था का जाल बिछाया जाएगा। - केके धनखड़, अधीक्षण अभियंता

ऑक्सीजन पार्क में श्रमदान कर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

सोनीपत। टीकाराम कन्या महाविद्यालय की एनएसएस यूनिट-1 और यूनिट-2 द्वारा यूथ फॉर माय भारत और डिजिटल लिटरेसी विषय के अंतर्गत गांव महलाना में आयोजित सात दिवसीय शिविर के पांचवें दिन स्वयंसेविकाओं ने गांव भटगांव के ऑक्सीजन बाग में पौधारोपण कर श्रमदान किया तथा सफाई अभियान चलाया।

कार्यक्रम के दौरान स्वयंसेविकाओं ने पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरूक किया। हरियाणा के ट्री मैन के रूप में पहचान रखने वाले देवेन्द्र सूरा ऑक्सीजन बाग की देखरेख करते हैं।

इस दौरान भटगांव की सरपंच ने स्वयंसेविकाओं को पर्यावरण को स्वच्छ और सुरक्षित रखने के लिए प्रेरित किया। शिविर की संयोजिका प्रोग्राम ऑफिसर डॉ. दिव्याश्री और डॉ. आशा रानी रहीं। शिविर में कुल 106 स्वयंसेविकाओं ने भाग लेकर सामाजिक कार्यों में सक्रिय योगदान दिया।

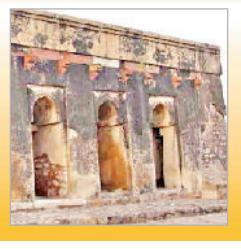

गुजरी महल

अबीर- हरियाणा में कई प्रसिद्ध ऐतिहासिक जगहें मौजूद हैं। हरियाणा की ऐतिहासिक जगहें सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि विश्व भर में फेमस है। हिसार में मौजूद गुजरी महल एक प्राचीन और प्रमुख ऐतिहासिक जगह है। इस महल का निर्माण फिरोजशाह तुगलक ने करवाया था। बता दें कि ताजमहल की तरह ही ये भी प्रेम की निशानी है। दरअसल, फिरोजशाह तुगलक ने अपनी प्रेमिका गुजरी के लिए इस महल का निर्माण करवाया था। इस महल के अंदर दीवान-ए-आम और बरदारी भवन भी प्रसिद्ध हैं।

लोक संस्कृति के प्रहरी थे महाशय पालेराम

महाशय पालेराम की यह खासियत थी कि वे मंच पर केवल गाते नहीं थे, बल्कि अभिनय, हास्य और व्यंग्य के माध्यम से समाज में व्याप्त विसंगतियों पर प्रहार भी करते थे। इस प्रकार वे मनोरंजन के साथ-साथ समाज सुधार का कार्य भी करते थे। अपनी प्रस्तुति के माध्यम से वे श्रोताओं के मानस पटल पर ऐसी छाप छोड़ते थे, जो लंबे समय तक स्मृति में बनी रहती थी।

कलाकार
रामबीर सिंह 'राम'

हरियाणा की धरती सदैव से वीरों, संतों और लोककलाकारों की जन्मभूमि रही है। इस मिट्टी की खुशबू में जहां शौर्य की गाथाएं रची-बसी हैं, वहीं लोकगीतों की मधुर धुनें भी इसकी आत्मा को जीवंत बनाए रखती हैं। इसी समृद्ध लोकपरंपरा के एक उज्ज्वल नक्षत्र थे महाशय पालेराम। महाशय पालेराम का जन्म 15 मार्च 1954 को हरियाणा के सोनीपत जिले के ऐतिहासिक गांव हलालपुर में एक साधारण परिवार में हुआ। उनके पिता का नाम चंदराम और माता का नाम किशनी देवी था।

उनका मूल नाम धर्मपाल था, परंतु स्नेहवश लोग उन्हें 'पाले' कहकर पुकारते थे। कालांतर में यही नाम उनकी पहचान बन गया। बचपन से ही उनके मन में संगीत के प्रति गहरी ललक थी। ग्रामीण परिवेश में पले-बढ़े पालेराम के जीवन में लोकगीतों, भजनों और रागनियों का वातावरण स्वाभाविक रूप से मौजूद था। गांव की चौपालों, मेलों और धार्मिक आयोजनों में गूंजने वाले भजनों और रागनियों ने उनके मन पर गहरा प्रभाव छोड़ा। संगीत के प्रति विशेष अभिरुचि के कारण उनका मन पढ़ाई में कम ही लगता था, इसलिए उन्होंने आठवीं कक्षा में ही स्कूल छोड़ दिया। पढ़ाई छोड़ने के उपरांत उन्होंने अपने पिता के कार्यों में हाथ बंटाना आरम्भ कर दिया। उन दिनों हलालपुर में जाने-माने गायक बलबीर सिंह के बहुत कार्यक्रम होते थे। जब भी बलबीर सिंह का उनके गांव में आगमन होता, बालक पालेराम का अधिकांश समय उन्हीं के साथ व्यतीत होता। बालक पालेराम के संगीत प्रेम को देखकर बलबीर सिंह ने उन्हें अपना शिष्य बना लिया। इसके बाद पालेराम ने काफी समय तक अपने गुरु के प्रति श्रद्धावनत हो पूर्ण समर्पण के साथ शिक्षा ग्रहण की और संगीत की गहराइयों को आत्मसात किया।

उनका ध्येय मात्र एक लोकगायक बनना नहीं, वरन् एक लोकसाधक बनना था, जिसे कालांतर में उन्होंने बखूबी सिद्ध किया। तदुपरान्त पालेराम ने सन् 1973 में अपनी मंडली बनाकर गायन की शुरुआत की। उनकी गायकी में हरियाणवी बोली की मिठास, लोकजीवन की सादगी और भावनाओं की गहराई स्पष्ट झलकती थी। वे सामाजिक विषयों को भी अपने गीतों में प्रमुखता से स्थान देते थे। उनके गीतों में नैतिकता, भाईचारा, सामाजिक समरसता और मानवीय मूल्यों का संदेश विद्यमान होता था। इन विशेषताओं के साथ-साथ उनकी हास्य कला अद्भुत थी। इसी कारण वे शीघ्र ही हरियाणा के मूर्धन्य लोक गायकों की श्रेणी में शामिल हो गए। उनके मंच पर आते ही श्रोताओं के चेहरे खिल उठते थे। जब वे रागनी गाते थे, तो श्रोता मंत्रमुग्ध होकर आनंद से झूमने लगते थे। उनकी यह खासियत थी कि वे मंच पर केवल गाते नहीं थे, बल्कि अभिनय, हास्य और व्यंग्य के माध्यम से समाज में व्याप्त विसंगतियों पर प्रहार भी करते थे। इस प्रकार वे मनोरंजन के साथ-साथ समाज सुधार का कार्य भी करते थे। अपनी प्रस्तुति के माध्यम से वे श्रोताओं के मानस पटल पर ऐसी छाप छोड़ते थे, जो लंबे समय तक स्मृति में बनी रहती थी। उनके पास गायन की सम्मोहक शैली का नायाब जादू था।

उनकी डोल्ली और उनके अंगों की विशिष्ट थिरकन के लोग दीवाने थे। यही कारण है कि उनकी कला ने न केवल जनमानस का मनोरंजन किया, बल्कि लोक संस्कृति को भी समृद्ध किया। धीरे-धीरे उनकी लोकप्रियता हरियाणा की सीमाओं को लांघकर पड़ोसी राज्यों तक फैलने लगी। उन्होंने उत्तर प्रदेश, दिल्ली और राजस्थान के अनेक स्थानों पर अपने कार्यक्रम प्रस्तुत किए। जहां भी वे गाते, वहां जनसैलाब उमड़ पड़ता था। उनकी गायकी में लोकसंस्कृति की शुद्धता और गरिमा स्पष्ट रूप से परिलक्षित होती थी। वे हमेशा शुद्ध हरियाणवी रागनियां गाते थे और कभी भी फूहड़ या अश्लील गीतों का सहारा नहीं लेते थे। उनका मानना था कि लोकसंगीत समाज का दर्पण होता है और इसे मर्यादित रूप में प्रस्तुत किया जाना चाहिए। वे अक्सर कहा करते थे कि ऐसे गीत गाने चाहिए जिन्हें पूरा परिवार एक साथ बैठकर सुन सके। इसी कारण उन्होंने अपने पूरे जीवन में कभी भी अश्लील गीत नहीं गाए और इस प्रवृत्ति का खुलकर विरोध भी किया। उनके अनुसार कलाकार का कर्तव्य केवल तालियां बटोरना नहीं, बल्कि समाज को सही दिशा देना भी होता है। हरियाणवी रागनी गायन की परंपरा के उस स्वर्णिम काल में अनेक सिद्धहस्त कलाकार अपनी कला का परचम लहरा रहे थे। राजकिशन अगवानपुरिया, मास्टर सतबीर भैंसवालिया, जगबीर कारोरिया, बाऊराम, ब्रह्मानंद, चंदन, बाली शर्मा, रमेश कलावड़िया तथा रणबीर बडवसनिया जैसे अनेक प्रतिष्ठित नाम उस समय रागनी मंच को आलोकित कर रहे थे। ऐसे प्रतिभाशाली कलाकारों के मध्य महाशय पालेराम दहिया ने भी अपने असाधारण गायन कौशल और सशक्त प्रस्तुति के बल पर विशिष्ट पहचान स्थापित की। इन सभी ख्याति प्राप्त फनकारों के साथ उनके अनेक रंगकाट मुकाबले हुए, जिनमें उन्होंने कई बार अपनी कला की विजय पताका फहराते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। यद्यपि उनके मुकाबले लगभग प्रत्येक कलाकार के साथ अत्यंत सफल और लोकप्रिय होते थे, तथापि मास्टर सतबीर भैंसवालिया के साथ उनकी जोड़ी विशेष रूप से दर्शकों के हृदय में बस गई थी। यह अद्वितीय संगति लगभग चार दशकों तक निरंतर मंचों पर अपना जलवा दिखाकर श्रोताओं को रोमांचित करती रही। वह समय ऐसा था, जब उनके प्रशंसकों के बीच इस जोड़ी की लोकप्रियता चरमोत्कर्ष पर थी। ग्रामीण अंचलों में लोग अपने बच्चों के विवाह जैसे शुभ अवसरों पर इनके कार्यक्रम को अनिवार्य मानते थे। इतना ही नहीं, यदि नियत तिथि पर यह युगल उपलब्ध न हो पाता, तो अनेक परिवार अपने बच्चों के विवाह की तिथि तक परिवर्तित कर देते थे, ताकि इन दोनों महान लोकगायकों की सुरमयी प्रस्तुति उनके उत्सव को गौरवान्वित कर सके। महाशय पालेराम के जीवन का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी था कि उन्होंने कभी धन को अपनी प्राथमिकता नहीं बनाया। जो भी मान-सम्मान और पारिश्रमिक उन्हें मिलता, उसे वे सहज भाव से स्वीकार कर लेते थे। उनका मानना था कि "कला को बेचा नहीं जाता, कला का प्रचार किया जाता है।" इस विचारधारा के कारण वे लोकसंगीत के क्षेत्र में एक आदर्श कलाकार के रूप में देखे जाते थे। उन्होंने अपने कार्यक्रमों के माध्यम से अनेक मंदिरों, चौपालों और गोशालाओं के निर्माण के लिए चंदा एकत्रित करवाया।

लोक गायन और हरियाणवी लोकसंस्कृति में उनके असाधारण योगदान को देखते हुए 1 नवंबर 2010 को हरियाणा दिवस के अवसर पर हरियाणा सरकार ने उन्हें प्रतिष्ठित "फौजी जाट मेहर सिंह अवार्ड" से सम्मानित किया। यह सम्मान उनके लंबे और समर्पित कलात्मक जीवन की सार्वजनिक स्वीकृति थी।

उनके प्रयासों से कई सामाजिक और धार्मिक कार्यों को बल मिला। वे मानते थे कि कलाकार का दायित्व केवल मंच तक सीमित नहीं होना चाहिए बल्कि उसे समाज के कल्याण में भी योगदान देना चाहिए। उनके अनुसार हरियाणा लोकगायन परंपरा केवल एक कला नहीं, बल्कि सामाजिक परिष्कार का माध्यम है। महाशय पालेराम ने इस परंपरा को जीवित रखने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे गांव-गांव जाकर कार्यक्रम करते थे और लोगों को अपनी संस्कृति से जोड़ते थे। महाशय पालेराम ने लोक गायकी के माध्यम से न केवल मनोरंजन किया बल्कि सामाजिक और आध्यात्मिक संदेशों को भी जन-जन तक पहुंचाया। उनके द्वारा गाई गई अनेक रागनियां जैसे- हे मानव शुभ कर्म कर्या कर, तेरी काशीजी का रूल, गंगाजी तेरे खेत मैं, तेरी महारानी कै बेटा होग्या, बादल झुकरे बिज्जल पाटैं, साधु सैं घरबारी कोन्या, गिण कै दे लिए बोल, सिर मैं भड़क आंख मैं पाणी, सारी नगरी हे मां मेरी सो रही री- उस दौर की भांति आज भी हरियाणवी लोक संगीत प्रेमियों के बीच उतनी ही लोकप्रिय हैं। उन्होंने आकाशवाणी और दूरदर्शन के माध्यम से भी हरियाणा की लोककला को व्यापक पहचान दिलाने में अहम भूमिका निभाई। उनके गाए गीतों के दौर ने हरियाणवी संगीत के प्रसार को एक नई दिशा और गति प्रदान की थी।

उन्होंने एक लोकगायक के रूप में 15,000 से अधिक सांस्कृतिक कार्यक्रमों में प्रस्तुति दी। लोक गायन और हरियाणवी लोकसंस्कृति में उनके असाधारण योगदान को देखते हुए 1 नवंबर 2010 को हरियाणा दिवस के अवसर पर हरियाणा सरकार ने उन्हें प्रतिष्ठित "फौजी जाट मेहर सिंह अवार्ड" से सम्मानित किया। यह सम्मान उनके लंबे और समर्पित कलात्मक जीवन की सार्वजनिक स्वीकृति थी। इस पुरस्कार ने उनके योगदान को और अधिक प्रतिष्ठा प्रदान की। "हंसना-हंसाना ही जीवन है" फलसफे के पैरोकार महाशय पालेराम 24 मई 2023 को सदा के लिए हरिचरणों में लीन हो गए। उनका जाना केवल एक व्यक्ति का अवसान नहीं था, बल्कि एक युग का अंत था। उनके साथ हरियाणवी लोकगायकी की एक सशक्त आवाज मौन हो गई। किंतु आज भी हरियाणा सहित उत्तर भारत के अनेक राज्यों के गांवों की चौपालों, मेलों और सांस्कृतिक आयोजनों में जब उनके भजन-रागनियों का उल्लेख होता है, तो लोग श्रद्धा और गर्व के साथ उनका नाम लेते हैं। उनकी सुरीली आवाज और भावपूर्ण गायन शैली श्रोताओं के दिलों में आज भी जीवित है। उनके भजन-रागनी सदैव लोगों की स्मृतियों में रचे-बसे रहेंगे।

लोकप्रियता अक्सर कलाकार को अहंकार की ओर ले जाती है, लेकिन पालेराम का व्यक्तित्व इससे परे था। वे सरल, विनम्र और सहज स्वभाव के व्यक्ति थे। उनकी वाणी में मधुरता थी और व्यवहार में अपनापन। उनके सुर, उनकी शैली, उनकी सादगी और उनका व्यक्तित्व सदैव स्मरणीय रहेगा। उन्होंने हरियाणा की लोकसंस्कृति को जो ऊंचाई दी, वह सदैव इतिहास के पन्नों में स्वर्णाक्षरों में अंकित रहेगी। वर्तमान में महाशय पालेराम की इस गौरवशाली एवं समृद्ध सांगीतिक परंपरा को उनके शिष्य नरेन्द्र खरकरामजी, राजेश हाथी, अमित रोहणा, मनदीप मलिक लाख, महेंद्र छारा, धर्मबीर लोवा और सुनील कुमार हलालपुर आदि पूर्ण निष्ठा, समर्पण और आदरभाव के साथ आगे बढ़ा रहे हैं। वे अपने पूज्य गुरुजी की सादगी, सुरों की मधुरता और लोकसंस्कृति के प्रति समर्पित भाव को आत्मसात करते हुए रागनी गायन की उस अमूल्य धरोहर को निरंतर जीवंत बनाए हुए हैं। इस प्रकार वे न केवल अपने गुरुजी की स्मृतियों को सजीव रखे हुए हैं, बल्कि हरियाणवी लोकसंगीत की उस प्रतिष्ठित परंपरा को भी नई पीढ़ी तक पहुंचाने का सराहनीय कार्य कर रहे हैं।

व्यंग्य | पूजा गुप्ता

तड़के का फड़का

आजकल बड़ा ट्रेंड चला है इंस्टाग्राम और यूट्यूब में। फलाने -ढिकाने के चैनल चल पड़े हैं। 'बिना तेल-मसाले के कैसे पकौड़े बनायें', 'सिर्फ दो चीजों से कैसे टेस्टी नाश्ता बनायें' वगैरह-वगैरह। लहसुन के दाम में सुरसा सी महंगाई, इनके बिना भोजन जैसे 'भैरो बाबा का भंडारा।' दावे भी अजब-गजब हैं इन चैनल वालियों के। एक आंटी अपने एक वीडियो में दावा कर रही थी कि 'बिना बेले पूड़िया कैसे तलें!' ये सुनकर दिमाग चकरा गया।

एक दीदी तो एक ग्लास दूध से आधा किलो बर्फी बनाने की बात कर रही थी। मतलब मिठाइयों की दुनिया में इससे बड़ी क्रांति हो ही नहीं सकती थी। एक वीडियो वाली दीदी ने तो हद ही कर दी। 'बिना पनीर के कैसे पनीर की सब्जी बनायें।' मतलब इस दीदी के आगे पीसी सरकार भी फेल। मैंने भी दीदी को पदवी दे ही डाली, 'रसोई के रंगमंथरा दीदी के संग।' एक दिन एक अनजान नंबर से फोन आया कि कृपया लाइक और सब्सक्राइब करें हमारा फूड चैनल.. ! 'स्वादलोलुप कक्की का चौका।'

उसके तुरन्त बाद उसी नंबर से फोन आया तो पता चला कि गांव की 'गप्पी काकी' ने यह चैनल बनाया है। ये वही 'गप्पी काकी' हैं जिनके गप्पे के चलते सास उन्हें सिखाते-सिखाते परलोक सिधार गयीं लेकिन रोटी गोल बेलना नहीं सिखा पायीं। इससे बढ़िया तो घर के तड़के की बात अलग है। जो एक बूंद सरसों के तेल में साबूत लाल मिर्च जलाती है अम्मा, और खंसवा-खंसवा कर हमारी अंतड़ियां मुंह के रास्ते निकलवा देती है। उसके अलौकिक तड़के के सामने सब कुछ फेल ही है। सब कुछ देखने-सुनने के बाद यही निष्कर्ष निकला कि सचमुच 'टीवी वाली दीदी, आंटी की थाली से बेहतर अपनी 'अम्मा की गाली और थाली' ही बेहतर है।

कविता | मनजीत सिंह

अपणा कर्म अपणे आगे

जैसी करणी वैसी भरनी, ये जग का साचा फेरा,
आज बोया सै जो तू, कल काटेगा वो ढेरा,
झूठ की चादर ओढ़ ले चाहे, साच रहै ना हारा,
समय आवे जब हिसाब का, खुल ज्या सारा पसारा।

जीते जी जो बूंद ना दे, प्यासे नै इक घूंट,
मरणे पाछे भोग धरावै, करै दिखावे लूट,
मां-बाप नै तज कै बैठा, जग मैं बनै सयाणा,
ओही बालक कल देखिये, तेरै तै मुँह फेर जाणा।

सगे-संबंधी हाल ना पूछें, जब तक साँस चलै,
दुख की घड़ी मैं दूर खड़े, ना कोई पास मिलै,
मरणे पाछे रोवण लागें, करैं आँसू का नाटक,
मन मैं रत्ती भर दुख ना, बस दिखावे का झटका।

गाँव-गली मैं नाम कमावै, ऊंची-ऊँची बात,
भीतर सै खोखला होवै, झूठी उसकी जात,
कीकर बो कै आम की आस, कैसी ये अंधियाणी,
जैसी धरती वैसा फल दे, ये प्रकृति की कहानी।

कहै मन का साचा दरपन, कर्मां तै मत भाग,
आज नहीं तो काल सही, मिले कर्म का भाग,
तेर-मेर का झगड़ा छोड़ दे, सबका लेखा-जोखा,
ऊपर बैठा देख रह्या सै, ना कोई उसका धोखा।

हर घर की अजब कहानी, हर जीव का अलग फेरा,
पर न्याय की डोरी मजबूत सै, मनजीत ना टूटे ये घेरा,
जैसी करणी वैसी भरनी, मान ले बात सयाणी,
कर्म बिना ना छूटे कोई, यही सै सच्ची बाणी।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

थासन | 15 अगस्त 1857 को भीषण युद्ध में कई क्रान्तिकारी वीरगति को प्राप्त हुए, अंग्रेज सेना के भी काफी सैनिक हताहत हुए

खरखौदा में भी लड़ा गया था अंग्रेजों से रक्त रंजित युद्ध

इतिहास | यशपाल गुलिया

वर्ष 1857 के स्वतन्त्रता संग्राम के दौरान हरियाणा क्षेत्र में अनेक उल्लेखनीय युद्ध लड़े गए थे। जैसे सिरसा जिले के ओढा कस्बा और वैरिका गांव, हिसार में मंगाली गांव और बल्ला गांव में, रोहतक, नारनौल व मेवात क्षेत्र में युद्ध लड़े गए।

उसी अवधि में सोनीपत के कस्बे खरखौदा में भी 15 अगस्त 1857 को एक रक्त रंजित युद्ध हुआ था। यह पंजाब कवैलरी नामक बटालियन के बागी रिसलदार बिसारत अली के नेतृत्व में लड़ा गया था। संग्राम के दौरान अंग्रेजों की विशाल सेना दिल्ली की रिज पर डेरा डाले हुए थी। अंग्रेज सेना दिल्ली पर फिर से अधिकार प्राप्त करने के लिए चार मास तक प्रयास करती रही थी। उस मुख्य अंग्रेज सेना को हरियाणा की तरफ से पीछे से आक्रमण होने का खतरा बना रहा था, जिसके लिए अंग्रेज बार-बार दिल्ली को रिज से सैनिक टुकडी भेजकर सेनानियों पर आक्रमण करते थे। उसी क्रम में दिल्ली रिज पर स्थित अंग्रेजों ने खरखौदा में एक सेना भेजी थी। दरअसल, उनको समाचार मिला था कि प्रथम पंजाब कवैलरी के बहुत से बागी घुड़सवार खरखौदा में इकट्ठे हो चुके हैं। तब अंग्रेजों ने दिल्ली से विलियम हड़सन के नेतृत्व में एक उपयुक्त सेना 14 अगस्त 1857 को भेजी। अंग्रेजों द्वारा उस संकलित सेना में 25 सैनिक जीन्द राजा के थे। सेनानियों ने भी उपयुक्त तैयारी कर ली थी, जिनका नेतृत्व बिसारत अली नामक रांघड़ कर रहा था। उसने आसपास के क्षेत्र हसनगढ़ आदि के सहजातीय रांघड़ युवाओं को संगठित कर लिया था। इसी क्रम में रोहतक के किले में बाबर खां रांघड़ के नेतृत्व में सेनानियों की एक सेना इकट्ठी हो गई थी। हालांकि, सभी के संगठित होकर दिल्ली स्थित अंग्रेज सेना पर पीछे से आक्रमण करने की उनकी योजना क्रियान्वित होने से पहले ही अंग्रेजों ने खरखौदा में अपनी सेना भेज दी। इस प्रकार बिसारत अली की सेना व हडसन अंग्रेज की सेना के मध्य 15 अगस्त 1857 को एक भीषण युद्ध हुआ। इसमें बिसारत अली सहित अनेक क्रान्तिकारी वीरगति को प्राप्त हुए तथा अंग्रेज सेना के भी काफी सैनिक हताहत हुए। हडसन अंग्रेज को विजयश्री मिली तथा 16 अगस्त को उसकी सेना रोहतक की ओर कूच कर गई। खरखौदा के युद्ध में चार्ल्स गफ नामक अंग्रेज को विक्टोरिया क्रॉस प्राप्त हुआ था, जिससे उस युद्ध की भीषणता का आभास होता है। हरियाणा क्षेत्र में लड़े गए युद्धों में वह प्रथम विक्टोरिया क्रॉस था। उसके बाद दो विक्टेरिया क्रॉस नारनौल की सराय में लड़े गए युद्ध में दिए गए थे। इसको कुछ लेखकों ने केवल नसीबपुर का युद्ध लिखा है, जबकि वास्तव में वह युद्ध हुस्ना वाला बाग नारनौल शहर व सराय बालमुकुन्द के अहाते में भी लड़ा गया था। सराय के समीप ही अंग्रेज कमान्डर जेरारड की गोली लगने से मृत्यु हुई थी। खरखौदा युद्ध के बाद 26-27 अगस्त को नजफगढ़ में भी एक भीषण युद्ध हुआ था, लेकिन आश्चर्यजनक रूप से उपरोक्त युद्धों का वर्णन विद्यार्थियों की पाठ्यपुस्तकों में शामिल नहीं किया गया, जबकि ऐतिहासिक 1857 के संग्राम को गदर के नाम से ज्यादा प्रचारित किया गया है। लेखक ने (हरियाणा के अज्ञात युद्ध) नामक अपनी पुस्तक में सभी मुद्दों का विस्तारपूर्वक वर्णन किया है।

सोनीपत जिले के खरखौदा कस्बे में 15 अगस्त 1857 को हुए भीष्ण युद्ध के दौरान अंग्रेज सेना से भिड़ते क्रान्तिकारी। (सांकेतिक चित्र)

खरखौदा के युद्ध में चार्ल्स गफ नामक अंग्रेज को विक्टोरिया क्रॉस प्राप्त हुआ था, जिससे उस युद्ध की भीषणता का आभास होता है। हरियाणा क्षेत्र में लड़े गए युद्धों में वह प्रथम विक्टोरिया क्रॉस था।

प्रकृति का चितेरा कलाकार है अमन यादव

चित्रकार | डा. ओमप्रकाश कादयान

जब हम बाग-बगीचों में जाते हैं तो एक से बढ़कर एक सुन्दर पेड़-पौधों, फूलों, पत्तों को देखकर आकर्षित होते हैं। यात्राओं पर जाते हैं तो पहाड़ों, जंगलों, वादियों, नदी, झरनों, झीलों, रंगीन पक्षियों को देखकर प्रफुल्लित हो जाते हैं। कुदरत का ये वो आकर्षण होता है जो सबको आकर्षित किए बिना नहीं रहता। आम आदमी ये नजारे देखकर आल्हादित हो

जाता है तो एक छायाकार प्रकृति के उस सौन्दर्य को स्थाई बनाने के लिए अपने कैमरे में कैद कर लेता है। एक कवि-लेखक अपनी रचनाओं में शब्दों के माध्यम से ढालने की कोशिश करता है, तो एक कुशल चित्रकार रंगों व बुरश के माध्यम से कागज या कैनवास पर चित्रित करके प्रकृति की भांति दर्शकों को अपनी ओर आकर्षित करता है।

प्रकृति का चितेरा दक्ष कलाकार जब किसी भी सुंदर दृश्य को कैनवास पर बनाता है तो यथार्थ के साथ-साथ उसमें कल्पनाओं के भी रंग भरकर उसे अधिक मनोहारी बना देता है। प्रकृति की नकल करना इतना आसान नहीं है, किन्तु अनुभवी व रंगों से खेलने वाला कुशल चित्रकार ये कमाल कर देता है। हमारे ही बीच में कुछ कलाकार हैं जो चमत्कारी ढंग से प्रकृति के दिव्य दृश्यों को सजीव-से बना डालते हैं। ऐसे एक कलाकार का नाम है-अमन कुमार यादव।

रेवाड़ी जिले के मुण्डिया खेड़ा गांव में मोहनलाल यादव व सरदारी देवी के घर जन्मा अमन यादव आज कला क्षेत्र का उभरता नाम है। अमन को प्रकृति तथा अपनी सांस्कृतिक विरासत, ग्रामीणांचल से काफी लगाव है। यही कारण है कि

इनके चित्रों के अधिकतर विषय भी यही हैं। युवा चित्रकार अमन के चित्रों में प्रकृति के विभिन्न रूप देखने को मिलते हैं। बहुत से चित्रों में हरी घास के मैदान, लहलहाती फसलें, चहकती-आकर्षित करती सुंदर वादियां, सदाबहार जंगल, देवदार-चीड़ अन्य पहाड़ी दरखतों, झाड़ियों, जड़ी-बूटियों से लदे पहाड़, उससे ऊपर ग्लेशियरों से ढकी चोटियां, चोटियों पर मण्डराते, उमड़ते-घुमड़ते मेघों के समूह, कुछ चित्रों में रंगीन पेड़ों की कतारें, पहाड़ों के बोलते से लगते पत्थर, कहीं बरसात का भीगा मौसम, नभ-मण्डल पर उड़ते पंछियों की कतारें, संध्याकाल में सूर्य की लालिमा दृश्यों को देती स्वर्णिम आभा, सोने के रंग में तब्दील होते ग्लेशियर, ये सब दृश्य इनके चित्रों का हिस्सा हैं। अमन ने अपने चित्रों में हवा को गति, नदियों को वेग, झरनों को संगीत देने का प्रयास किया है। अमन के कुछ चित्रों में तो इतना आकर्षण भरा है कि स्वप्न-लोक-सा लगता है। चित्रकार ने भारतीय पक्षियों की सुंदरता भी कैनवास पर चित्रित की है। इनकी पेंटिंग दर्शकों से सीधा संवाद करती प्रतीत होती हैं। युवा चित्रकार अमन यादव को प्रकृति के साथ-साथ अपनी संस्कृति, गांव-देहात, जन-जीवन, खेत-क्यार, ग्रामीण रीति-रिवाजों से भी विशेष लगाव है। इन्होंने अपने चित्रों में पनघट परम्परा, कुएं-जोहड़, काम करती, पानी भरकर लाती महिलाएं, किसान की संघर्ष गाथा को भी स्थान दिया है। इसके साथ-साथ प्राचीन कलात्मक इमारतें, मंदिर, देवी-देवताओं के चित्र बनाए हैं। हरियाणा में चौपालें, तालाब, छतरियां, कुएं, हवेलियां, किले तथा यहां की लोककला समृद्ध रही है, ये इन्होंने चित्रों के माध्यम से बताने का प्रयास किया है। ये पोट्रेट भी सुंदर बना लेते हैं। कलाकार प्रकृति, संस्कृति के चितेरे के साथ-साथ संवेदनशील प्रवृत्ति के हैं। अमन वैसे तो हर तरह के रंगों को प्रयोग दक्षता पूर्वक कर लेते हैं, पर ये अक्रैलिक ऑयल रंगों का प्रयोग अधिक करते हैं। अमन से ये पूछने पर कि पेंटिंग की शुरूआत कैसे हुई? इसके जवाब में अमन ने बताया कि शुरुआती दौर में उन्होंने गुरु अजीत सिंह तथा प्रताप सिंह रंगीला से प्रेरित होकर सजावटी प्राकृतिक तरीके से ब्रुश चलाना सीखा। फिर मैंने खूब अभ्यास किया और अच्छी पेंटिंग बनती गई। 15 जनवरी 1979 को जन्मे अमन बीएफए की पढ़ाई करने के बाद पेंटिंग करने में जुट गए। इन्होंने गिनीज बुक आफ वर्ल्ड रिकार्ड के लिए 1391.74 लम्बी पेंटिंग की। 9 मार्च 2019 को भिवानी में आयोजित प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता। 13-14 अप्रैल 2019 को रेवाड़ी में आयोजित राष्ट्रीय कला कार्यशाला व रैंप शो में सर्वश्रेष्ठ कलाकार का पुरस्कार जीता। एक सितम्बर 2016 में 'आरएएस रंग आर्टस' द्वारा आयोजित गांधी आर्ट गैलरी, नई दिल्ली में अन्तर्राष्ट्रीय पेंटिंग प्रदर्शनी व सह प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता। 24 नवम्बर 2018 को रेवाड़ी में आयोजित 'प्रतिभा सम्मान' प्राप्त किया।

ये मिले पुरस्कार और सम्मान

अमन ने राष्ट्रीय व अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न प्रदर्शनियों, कार्यशालाओं, प्रतियोगिताओं में भाग लेकर बेहतर प्रदर्शन किया। इन्हें अनेक जगह सम्मानित किया गया। गिनीज बुक्स ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड पेंटिंग-पीपल आफ मेरठ में इनका नाम शामिल किया गया। इन्हें कला निधि पुरस्कार, शोभा सिंह पुरस्कार, यादव गौरव पुरस्कार, कला रत्न पुरस्कार तथा अचीवमेंट अवार्ड सहित कई सम्मान मिले।

खबर संक्षेप

श्रद्धालुओं ने किया हरिनाम संकीर्तन

सोनीपत। श्री राम परिवार, सोनीपत की ओर से शनिवार को श्री दुर्गा मंदिर, मोहल्ला कलां में श्री सुंदरकांड पाठ, हरिनाम संकीर्तन और श्री रामकथा का आयोजन किया गया। हनुमान प्राकट्य महोत्सव के उपलक्ष्य में जतिन कथूरिया हनुमान जी का स्वरूप धारण करने के लिए अनुष्ठान पर बैठे हुए हैं। संस्था प्रमुख ओमप्रकाश अरोड़ा ने बताया कि श्री रामचरितमानस में हनुमान जी का श्रृंगार उनके अतुलनीय बल, तेज और श्रीराम के प्रति अनन्य भक्ति का प्रतीक है।

सुखमय जीवन के लिए सकारात्मक विचारधारा रखें

गोहाना। ब्रह्मकुमारीज शिवशक्ति भवन द्वारा रविवार को जेएलएन वमावि गोहाना में विश्व एकता औरa विश्वास के लिए ध्यान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विश्व एकता, ध्यान और आंतरिक शांति का संदेश दिया गया। मुख्य अतिथि नप चेयरपर्सन रजनी विरमानी और विशिष्ट अतिथि उनके पति एवं पंजाबी महासभा गोहाना के अध्यक्ष इंद्रजीत विरमानी थे। मुख्य वक्ता माउंट आबू से वरिष्ठ राजयोग शिक्षक बीके सूर्य ने कहा कि जीवन में हमेशा सुखी रहने के लिए विचारधारा को सकारात्मक रखें।

हरियाणा सुपर-100: राष्ट्रीय स्तर पर सफलता के लिए चल रहा मिशन

प्रदेश के 2113 व सोनीपत के 89 छात्रों ने पार किया प्रथम पड़ाव, 650 अटके

अप्रैल माह के प्रथम सप्ताह में कुरुक्षेत्र में होगा योजना का दूसरा चरण, मेरिट पाने वाले तीसरे चरण में होंगे शामिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सोनीपत में बनाए गए केंद्र पर सुपर-100 की परीक्षा के दौरान निरीक्षण करते जिला नोडल अधिकारी सुरेंद्र सिंह। फाइल फोटो

सरकार की महत्वाकांक्षी योजना शैक्षणिक पहल हरियाणा सुपर-100 के अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2026–28 की प्रथम चरण की परीक्षा का रविवार को परिणाम जारी किया गया। घोषित परिणाम के अनुसार प्रदेश में 2113 व सोनीपत में 89 विद्यार्थियों ने परीक्षा को उत्तीर्ण किया है, जबकि करीब 650 से अधिक विद्यार्थियों को वेटिंग लिस्ट में रखा गया है। योजना का उद्देश्य प्रदेश के मेधावी विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, उचित मार्गदर्शन एवं उत्कृष्ट अकादमिक वातावरण प्रदान कर उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर सफलता के लिए सक्षम बनाना है।

जिला विज्ञान विशेषज्ञ (डीएसएस) एवं नोडल अधिकारी सुरेंद्र सिंह ने बताया कि प्रथम चरण की परीक्षा 11 फरवरी को राजकीय विद्यालयों की कक्षा 10वीं में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के लिए आयोजित की गई थी। प्रदेश में 178 तो सोनीपत में 8 केंद्रों पर हुई परीक्षा में 1844 विद्यार्थियों ने सहभागिता की, जबकि 854 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे थे। जिला में सुपर-100 परीक्षा के लिए कुल 2698 विद्यार्थियों ने पंजीकरण करवाया था। अब जिला के 89 विद्यार्थियों ने सुपर-100 की परीक्षा उत्तीर्ण कर अगले चरण के लिए अपना स्थान पक्का किया है। उन्होंने बताया कि प्रथम चरण में सफल विद्यार्थियों को अप्रैल माह के पहले सप्ताह में दूसरे चरण की चयन प्रक्रिया के लिए कुरुक्षेत्र स्थित हरियाणा सुपर 100 के कैंपस में आमंत्रित किया जाएगा। इस चरण में विद्यार्थियों को 3 दिनों के विशेष रेजिडेंशियल अकादमिक प्रशिक्षण में रखा जाएगा, जहां उन्हें विषय विशेषज्ञों की ओर से पढ़ाया जाएगा। इसके पश्चात उनका मूल्यांकन परीक्षण आयोजित किया जाएगा। इसके बाद अप्रैल के तीसरे सप्ताह में मेरिट के आधार पर विद्यार्थियों का अंतिम चयन कर उन्हें दाखिला दिया जाएगा।

परीक्षा का परिणाम जारी

हरियाणा सुपर-100 की प्रथम चरण की परीक्षा का परिणाम जारी कर दिया गया है। शिक्षा विभाग की ओर से 11 फरवरी को जिला में 8 केंद्रों पर आयोजित प्रथम चरण की परीक्षा में प्रत्येक खंड स्तर पर 1844 विद्यार्थियों ने भाग लिया, जबकि 854 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे थे। अब जिले के 89 विद्यार्थियों ने सुपर-100 के प्रथम चरण को पार कर लिया है। परीक्षा पास करने वाले विद्यार्थी अगले माह दूसरे चरण की परीक्षा में भाग ले सकेंगे। -नवीन गुलिया, जिला शिक्षा अधिकारी, सोनीपत

किस ब्लॉक में कितने विद्यार्थी हुए सफल

सोनीपत - 17
राई - 20
गोहाना - 13
गन्नौर - 12
कथूरा - 05
खरखौदा – 07
मुंडलाना – 15

पंजीकरण

- हरियाणा सुपर-100 के अंतर्गत सोनीपत में 2698 विद्यार्थियों ने कराया था पंजीकरण
- प्रथम चरण की परीक्षा में 8 केंद्रों पर 1844 विद्यार्थियों ने आजमाई थी किस्मत, 854 नहीं दे पाए थे परीक्षा

योजना के तहत बढ़ी चयनित विद्यार्थियों की संख्या

नोडल अधिकारी सुरेंद्र सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की ओर से हरियाणा सुपर 100 योजना की निरंतर सफलता, विद्यार्थियों की उपलब्धियों व अभिभावकों से प्राप्त सकारात्मक फीडबैक को ध्यान में रखते हुए इस वर्ष चयनित विद्यार्थियों की संख्या 400 से बढ़ाकर 500 कर दी गई है। इससे प्रदेश के राजकीय विद्यालयों में अध्ययनरत अधिक से अधिक मेधावी विद्यार्थियों को इस योजना का लाभ प्राप्त होगा। चयनित विद्यार्थियों को जेईई, एनईईटी जैसी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं की उच्च स्तरीय तैयारी पूर्णतः निःशुल्क कराई जाएगी।

सात वर्ष में 277 विद्यार्थी लहरा चुके परचम

हरियाणा सुपर-100 योजना की शुरुआत वर्ष 2018 में हरियाणा सरकार के शिक्षा विभाग एवं विकल्प फाउंडेशन के सहयोग से की गई थी। इस योजना के अंतर्गत अब तक 100 से अधिक विद्यार्थियों का चयन आईआईटी में हो चुका है। करीब 97 विद्यार्थी आईआईआईटी, नीट एवं अन्य प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग संस्थानों में और करीब 80 विद्यार्थी एम्स व विभिन्न सरकारी मेडिकल कॉलेजों में चयनित होकर योजना की सफलता को प्रमाणित कर चुके हैं। योजना का उद्देश्य प्रदेश के मेधावी विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, उचित मार्गदर्शन एवं उत्कृष्ट अकादमिक वातावरण प्रदान कर उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर सफलता के लिए सक्षम बनाना है।

खबर संक्षेप

प्रमोशन में आरक्षण विषय पर बैठक

गोहाना। गुरु रविदास शैक्षणिक भवन, सेक्टर-7 में शनिवार को प्रमोशन में आरक्षण विषय पर बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में उक्त विषय को लेकर आवश्यक पहलूओं पर विचारविमर्श किया गया। हिन्दी प्राध्यापक डॉ. नरेंद्र कुमार ने कहा कि हरियाणा सरकार के सभी विभागों में प्रमोशन के केस मांगे जा रहे हैं, परंतु अनुसूचित जाति के कर्मचारियों व अधिकारियों को संख्या के हिसाब से पदों पर केस न मांगने पर उनके अधिकारों पर कुठाराघात किया जा रहा है। बैठक में अस्थाई रूप से प्रमोशन आरक्षण संघर्ष समिति हरियाणा का गठन किया गया और निर्णय लिया गया है कि हरियाणा के सभी अनुसूचित जाति के कर्मचारी व अधिकारी संगठित होकर अपने अधिकार प्राप्ति के लिए अपनी आवाज बुलंद करेंगे। इस अवसर पर दलवीर सिंह निम्बडिया, नीरज भुक्कल, सुशील कुमार, डॉ. नरेंद्र, अजीत सिंह, रवि कुमार, कुलदीप व डॉ. राजपाल उपस्थित रहे।

पापमोचनी एकादशी परभोगीपुर में कीर्तन

गन्नौर। पापमोचनी एकादशी के पावन अवसर पर भोगीपुर गांव में पवित्र राठी के निवास पर भव्य कीर्तन का आयोजन किया गया। धार्मिक आयोजन में श्रद्धालुओं की भक्ति, श्रद्धा व आस्था की अलौकिक छटा देखने को मिली। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान के चरणों में दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, जिसके उपरांत कीर्तन की मधुर श्रृंखला आरंभ हुई। देबी व स्नेहप्रभा कीर्तन मंडली ने अपने सुमधुर भजनों से श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। मंडली द्वारा प्रस्तुत बाबा श्याम व माता के भजनों ने उपस्थित भक्तों को झूमने पर मजबूर कर दिया। "हारे का सहारा बाबा श्याम हमारा" जैसे भजनों पर श्रद्धालु भावुक नजर आए और पूरे मन से भक्ति में लीन दिखाई दिए।

रामलाल खोखर का शौर्य दिवस मनाया

गोहाना। विदेशी आक्रमणकारी मोहम्मद गौरी का सिर धड़ से अलग करने वाले रामलाल खोखर का शौर्य दिवस रविवार को गांव शामड़ी की बड़ी चौपाल में मनाया गया। ग्रामीणों ने वीर योद्धा रामलाल खोखर को हवनपूर्वक श्रद्धांजलि दी। सरपंच भुरू व सुनील ने कहा कि विदेशी आक्रमणकारी मोहम्मद गौरी भारत पर बार-बार आक्रमण करके लूटपाट और कत्लेआम करता था। उनके आक्रमणों से देश के लोग परेशान हो चुके थे। हरियाणा रोडवेज कर्मचारी यूनियन के राज्य प्रधान अशोक खोखर और सरपंच इंद्रपाल ने कहा कि मोहम्मद गौरी सोमनाथ मंदिर के लूटकर विदेश जा रहा था। 1206 ईस्वी में झेलम नदी के किनारे दम्यक (वर्तमान पाकिस्तान) में रामलाल खोखर ने अपने कबीले के 40 हजार लोगों के साथ मोहम्मद गौरी पर आक्रमण करके उनका सिर धड़ से अलग कर दिया था। कार्यक्रम में पूर्व सरपंच रामफूल, राजेश खोखर, डॉ. कुलदीप, बलवान खोखर, अमित, सूरजमल, ओम नंबरदार, उमेद सिंह, मेहर सिंह आदि रहे।

नए जिले का हिस्सा नहीं बनना चाहते खांडा वाले

खरखौदा। संघर्ष कमेटी खरखौदा की एक पंचायत मास्टर राजेंद्र ढहिया की अध्यक्षता में उपमंडल के गांव दादा किशोर दास मंदिर में हुई। जिसमें अधिकतर गांव वासियों ने किसी भी नए जिले में शामिल होने से सिरे से नकार दिया। पिछड़ा वर्ग के जिला प्रधान बलबीर ने कहा कि जिला के मुद्दे पर किए जा रहे संघर्ष में वे तन मन धन से खरखौदा संघर्ष कमेटी के साथ हैं। कमेटी की ओर से खुलासा किया गया है कि एक साल से उनकी सिर्फ एक ही मांग है कि जब तक मुख्यमंत्री द्वारा स्पष्टीकरण नहीं दिया जाएगा कि खरखौदा व आसपास के गांवों किसी भी नए जिले का हिस्सा नहीं बनेंगे, तब तक संघर्ष जारी रहेगा। इस मौके पर विकेश दहिया, बिजेंद्र, राजकुमार, वकील सुमित दहिया, नरेंद्र ठेकेदार, यशु, पृथी सिंह आदि मौजूद रहे।

भाजपा के पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के तहत तीन मंडलों में शिविर

सोनीपत। भारतीय जनता पार्टी के पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के अंतर्गत रविवार को सोनीपत जिले के फरमाना मंडल, अग्रसेन मंडल और जखोली मंडल में प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए गए। शिविरों में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने भाग लेकर संगठन की विचारधारा, कार्यपद्धति और विभिन्न वैचारिक विषयों पर जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा जिला अध्यक्ष अशोक भारद्वाज ने कहा कि प्रशिक्षण शिविर संगठन को मजबूत बनाने और कार्यकर्ताओं के व्यक्तित्व विकास का प्रभावी माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि इन कार्यक्रमों के माध्यम से कार्यकर्ताओं को पार्टी की नीतियों और विचारधारा की गहन जानकारी मिलती है, जिससे वे समाज में बेहतर ढंग से अपनी भूमिका निभा सकते हैं।

गन्नौर। प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सुरेश त्यागी बैठक को सम्बोधित करते।

इनेलो रैली को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं की हुई बैठक

गन्नौर। इनेलो की नरवाना में होने वाली रैली को सफल बनाने के लिए रविवार को जीटी के पास कुराड रोड पर स्थित कार्यालय में कार्यकर्ताओं की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में बड़ी संख्या में इनेलो कार्यकर्ता व पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक में रैली की तैयारियों की समीक्षा, संगठनात्मक मजबूती पर चर्चा तथा रैली को ऐतिहासिक रूप से सफल बनाने के लिए कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियां तय की गई। बैठक में इंडियन नेशनल लोकदल के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सुरेश त्यागी ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की, जबकि रैली प्रभारी कृष्ण मलिक विशेष रूप से उपस्थित रहे। प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सुरेश त्यागी ने कहा कि इनेलो हमेशा से किसान, मजदूर, युवा और खिलाड़ियों की आवाज बनकर संघर्ष करती रही है। उन्होंने कहा कि नरवाना रैली में उमड़ने वाली भीड़ यह संदेश देगी कि जनता एक बार फिर इनेलो की ओर उम्मीद भरी नजरों से देख रही है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से घर-घर जाकर रैली का प्रचार करने और अधिक से अधिक लोगों को रैली में पहुंचाने की अपील की।

अभय सिंह चौटाला का सरकार पर हमला, गैस किल्लत और कानून व्यवस्था पर उठाए सवाल

- सोनीपत दौरे के दौरान केंद्र और प्रदेश सरकार की नीतियों की आलोचना, कई नेताओं की रही मौजूदगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सोनीपत। कार्यक्रम के दौरान संबोधित करते हुए इनेलो नेता अभय सिंह चौटाला।

इंडियन नेशनल लोकदल के वरिष्ठ नेता अभय सिंह चौटाला ने सोनीपत दौरे के दौरान केंद्र और प्रदेश सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि प्रदेश का मुख्यमंत्री डमी है और उसे किसी भी विषय का पूरा ज्ञान नहीं है। मंच से बोलते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को अंग्रेजी तक पढ़नी नहीं आती, ऐसे में प्रदेश का नेतृत्व कैसे किया जा रहा है यह समझ से परे है। अभय सिंह चौटाला ने कहा कि इनेलो ने हमेशा जनता के हकों के लिए लड़ाई लड़ी है और आगे भी लड़ेगी। उन्होंने कहा कि जैसे बुढ़ापा पेंशन के लिए सड़कों पर संघर्ष किया गया था, उसी तरह पीले कार्ड के अधिकार के लिए भी पार्टी सड़क पर उतरकर आंदोलन करेगी। केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए चौटाला ने कहा कि अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप खुलेआम धमकियां दे रहे हैं, लेकिन प्रधानमंत्री चुप्पी साधे हुए हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या अब भारत को ट्रंप के निर्देशों पर चलाया जाएगा। सरकार भारत को विश्वगुरु बनाने की बात करती है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय दबाव के सामने प्रधानमंत्री की चुप्पी समझ से परे है। गैस की किल्लत के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि सरकार लगातार झूठ बोल रही है। गैस की कमी के कारण होटल और ढाबे तक बंद होने की नौबत आ चुकी है। इस अवसर पर इंडियन नेशनल लोकदल के जिला अध्यक्ष कुणाल गहलोत, प्रदेश सचिव कृष्ण मलिक, पूर्व एसपी अनूप दाहिया, प्रदेश सचिव सुरेश त्यागी, अशोक मलिक आदि रहे।

विद्यार्थियों को करियर और भविष्य की दिशा तय करने के लिए मिला मार्गदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सोनीपत। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों का स्वागत करते हुए।

ऋषिकुल वर्ल्ड एकेडमी में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से रविवार को "द लीडर प्रोग्राम" का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नीरज शर्मा और रीमा शर्मा उपस्थित रहे। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या चंचल शर्मा, मीनू शर्मा और भूपेंद्र भी मौजूद रहे। कार्यक्रम के तहत विद्यार्थियों के लिए विशेष काउंसलिंग सत्र आयोजित किया गया, जिसमें छात्रों के सर्वांगीण विकास का मूल्यांकन किया गया। इसमें विद्यालय के साथ-साथ आसपास के विभिन्न स्कूलों के छात्र-छात्राओं ने भी भाग लिया और विशेषज्ञों से अपनी समस्याओं पर चर्चा की। इस दौरान स्वास्थ्य, व्यवसाय, उच्च शिक्षा और करियर से जुड़े विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम में डॉ. मोहित, डॉ. जगजीत, पार्थ, अमित और आयुष त्यागी ने छात्रों को अपने अनुभव साझा करते हुए भविष्य की दिशा तय करने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

2113 विद्यार्थी लेवल-2 के लिए क्वालीफाई

गोहाना। हरियाणा सरकार की प्रमुख शैक्षणिक पहल हरियाणा सुपर-100 के अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2026–28 हेतु आयोजित लेवल–1 प्रवेश परीक्षा का परिणाम रविवार को घोषित कर दिया गया।

यह परीक्षा 11 फरवरी को प्रदेश में खंड स्तर पर राजकीय विद्यालयों में अध्ययनरत कक्षा 10वीं के विद्यार्थियों के लिए आयोजित की गई थी। परीक्षा प्रदेशभर में कुल 178 परीक्षा केंद्रों पर सम्पन्न हुई। परीक्षा के लेवल-1 के घोषित परिणाम के अनुसार 2113 विद्यार्थी लेवल–2 के लिए क्वालीफाई हुए हैं, जबकि लगभग 650 से अधिक विद्यार्थियों को वेटिंग लिस्ट में रखा गया है।

सोनीपत। विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए।

नारी सशक्तिकरण विषय पर क्विज प्रतियोगिता

सोनीपत। देवडू रोड स्थित दिल्ली विद्यापीठ में रविवार को वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। कार्यक्रम के दौरान नारी सशक्तिकरण और सम्मान विषय पर क्विज प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें करीब 50 महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. श्रुति, त्रिलोक चन्द मल्होत्रा, आर्यन श्रीवास्तव, डॉ. सुमित, नीलम सांगवान, डॉ. ज्योति और शीला लाकड़ा ने दीप प्रज्वलित कर किया। क्विज में भाग लेने वाली पूजा, पुनीता, ज्योति, पूनम, ललिता, दीपा, तापसी, ब्रह्म कौर, सुनीता, संगीता हुड्डा और बबीता शर्मा सहित सभी महिलाओं को सम्मानित किया गया। भारतीय संस्कृति परीक्षा में जिला स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली पंखि अग्रवाल सहित पांचवीं से बारहवीं तक के मेधावी विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया।

उल्लास योजना 3010 नए पंजीकृत निरीक्षरों के अलावा 1660 सितंबर में अनुपस्थित व फेल होने वाले निरीक्षर भी हुए शामिल

अंगूठा लगाने के कलंक को मिटाने को 330 केंद्रों पर हुई परीक्षा

- परीक्षा में शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने परीक्षा के दौरान विभिन्न केंद्रों का निरीक्षण कर लिया जाएगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सोनीपत। गढ़ी ब्राह्मणान स्थित राजकीय विद्यालय में निरीक्षण करते खंड शिक्षा अधिकारी।

सर्व शिक्षा अभियान के उद्देश्य से प्रदेशभर में चलाई जा रही उल्लास योजना के तहत छह माह से अध्ययन में जुटे निरक्षरों के लिए रविवार को परीक्षा की घड़ी रही। अंगूठा लगाने के कलंक को मिटाने के लिए जिले के 3721 निरीक्षरों के लिए सभी सात ब्लॉक में 330 केंद्रों पर परीक्षा आयोजित की गई। हालांकि करीब 101 निरीक्षर परीक्षा के दौरान गैरहाजिर रहे। परीक्षा के लिए चयनित जिले के कुल 3721 निरीक्षरों में 3010 नए पंजीकृत व 1660 सितंबर 2025 की परीक्षा में अनुपस्थित व फेल होने वाली निरीक्षर शामिल रहे। फिलहाल शिक्षा विभाग की ओर से ब्लॉक वाइज परीक्षा देने वाले व गैरहाजिर रहे निरीक्षरों का विवरण उपलब्ध नहीं कराया गया है। उल्लास योजना के तहत प्रदेश में कुल 9 लाख व जिले में 44,540 निरक्षरों को वर्ष 2027 तक शिक्षित किए जाने का लक्ष्य रखा है। जिले को 100 फीसदी साक्षर बनाने की दिशा में कदम बढ़ाया जा रहा है। शिक्षित होने वाले निरक्षरों के लिए परीक्षा का प्रावधान भी रखा है। शिक्षा विभाग की ओर से नेशनल ओपन स्कूल के तत्वावधान में जिले में रविवार को सभी सात ब्लॉक में बनाए गए 330 केंद्रों पर परीक्षा के दौरान निरक्षरों का मूल्यांकन सरल भाषा व व्यावहारिक प्रश्नों के आधार पर किया गया। योजना के तहत शिक्षा विभाग ने सभी केंद्रों पर 3 घंटे की परीक्षा ली। इससे पहले परीक्षा केंद्रों पर निरीक्षरों को प्रवेश दिया गया। परीक्षा के दौरान जिला शिक्षा अधिकारी नवीन गुलिया, खंड शिक्षा अधिकारी अनिल वर्मा सहित कई अधिकारियों ने निरीक्षण कर स्थिति का जायजा लिया। शिक्षा विभाग ने वर्ष 2025-26 के शैक्षणिक सत्र में जिले के करीब 20 हजार निरक्षरों को शिक्षित करने की योजना तैयार की है।

सोनीपत। निजामपुर स्थित राजकीय विद्यालय में उल्लास योजना के तहत परीक्षा देते निरीक्षर।

3721 निरक्षरों का परीक्षा को लेकर पंजीकरण किया था

उल्लास योजना के तहत रविवार को जिलेभर में 330 केंद्रों पर शांतिपूर्ण माहौल में परीक्षा आयोजित की गई। परीक्षा के लिए पहले से ही केंद्रों पर तैयारियां पूरी कर ली गई थीं। करीब 3721 निरक्षरों का परीक्षा को लेकर पंजीकरण किया गया था। हालांकि करीब 101 निरीक्षर परीक्षा देने से वंचित रहे।
-नवीन गुलिया, जिला शिक्षा अधिकारी, सोनीपत।

संस्कृति संरक्षण के लिए बच्चों को अच्छे संस्कार दें

गोहाना। रविवार को शहर की पटेल बस्ती और इंद्रगढ़ी में हिन्दू सम्मेलन आयोजित किए गए। आरएसएस के शताब्दी वर्ष पर आयोजित हिन्दू सम्मेलन की श्रृंखला में इन आयोजनों के साथ यह कार्यक्रम भी हो गया। सम्मेलन में समाज में संगठन, संस्कार और सनातन संस्कृति के संरक्षण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विधिवत दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। मुख्य वक्ता संघ के नगर कार्यवाहक गोहाना संजीव, विभाग सद्भावना प्रमुख , रोहतक विभाग प्राचार्य अश्विनी कुमार, हिन्दू सम्मेलन गोहाना के सह संयोजक राकेश गंगाना रहे।

सूचना

मैं सुनीता पत्नी श्री बिजेन्द्र सिंह निवासी मकान नं. 2132, जिला सोनीपत, सेक्टर 12, सोनीपत, हरियाणा, सत्यनिष्ठा से पुष्टि करती हूं और निम्नानुसार घोषणा करती हूं अभिसाक्षी घोषणा करती है कि 1. ORG. REG. Conveyance Deed No. 10060 दिनांक 12/01/2005 2. ओआरजी. आवंटन पत्र क्रमांक 12270 दिनांक 14/12/1995 3. ORG. पुर्नआवंटन पत्र क्रमांक 2132 दिनांक 12.04.1996 4. ओआरजी. पुर्नआवंटन पत्र क्रमांक 7884 दिनांक 25.05.2006 5. आरईजी. सेल डीड संख्या 9514 दिनांक 10.11.2005 सेक्टर-12 सोनीपत की संपत्ति से संबंधित दस्तावेज दिनांक 29.01.2026 को सेक्टर 12 में खो गए हैं यदि किसी को यह मिले तो कृपया इस नंबर 9467652628 पर संपर्क करें।

निशु त्यागी की उपलब्धि पर ब्राह्मण उत्थान समिति ने किया परिजनों का सम्मान

गन्नौर। गांव शाहपुर तगा निवासी निशु त्यागी ने संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में 685वीं रैंक हासिल करने की उपलब्धि ब्राह्मण उत्थान समिति हरियाणा के अध्यक्ष पंडित मुकेश शर्मा ने अपनी टीम के साथ गन्नौर पहुंचकर परिवार को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने निशु त्यागी के पिता प्रवीण त्यागी को पटका पहनाकर तथा स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। पडित मुकेश शर्मा ने कहा कि निशु त्यागी की यह उपलब्धि पूरे क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि कड़ी मेहनत, लगन और लक्ष्य के प्रति समर्पण से ही बड़ी सफलताएं हासिल की जा सकती हैं। ऐसे प्रतिभाशाली युवाओं से समाज और देश का भविष्य उज्ज्वल होता है। ज्ञात रहे की निशु त्यागी इससे पहले भी यूपीएससी की परीक्षा उत्तीर्ण कर भारतीय रेलवे में सेवाएं दे रही हैं। उनकी निरंतर मेहनत और उपलब्धियों से क्षेत्र के युवाओं को आगे बढ़ने की प्रेरणा मिल रही है। इस अवसर पर मास्टर भगवान सिंह, पार्षद राजेश शर्मा गन्नौर, राजेंद्र गौतम, विनोद , भारत भूषण दत्ता, मास्टर दीपक शर्मा, रमापति उपाध्याय, अमरीश त्यागी, रविंद्र पाराशर और सुनील शर्मा सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

राजलू गढ़ी में समाज सुधार संकल्प समिति की बैठक, गांव के विकास पर हुई चर्चा

गन्नौर। गांव राजलू गढ़ी में समाज सुधार संकल्प समिति की बैठक हुई। बैठक में गांव के विकास, शिक्षा के स्तर में सुधार तथा स्वच्छता को बढ़ावा देने जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष अजीत राठी ने करते हुए समिति द्वारा गांव में किए जाने वाले विकास कार्यों की रूपरेखा प्रस्तुत की। समिति की ओर से उपप्रधान कुलदीप राठी, महासचिव अमित अत्री, सचिव अनिल राठी, कोषाध्यक्ष वीरेंद्र तथा सदस्य देवेंद्र, पवन ने कहा कि समिति का मुख्य उद्देश्य गांव के सर्वांगीण विकास के लिए सामाजिक सहयोग, गांव में शिक्षा के स्तर को सुधारने के लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे।गांव में स्वच्छता अभियान चलाकर गांव को साफ-सुथरा रखने के लिए सामूहिक प्रयास किए जाएंगे। बैठक में भोगीपुर के सरपंच सावन,राजलुगढ़ी के सरपंच विजेंद्र राठी ने समिति के इस प्रयास की सराहना की और ग्रामीणों से समिति के कार्यों में सहयोग देने की अपील की। इस अवसर पर समिति के सलाहकार एवं रेलवे स्टेशन कमेटी के सदस्य त्रिलोक चंद शर्मा, जगदीश राठी, राजेश (छोटी गढ़ी) सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

गांव ठरू में लगाया मुफ्त स्वास्थ्य जांच शिविर

सोनीपत। एनएसएस डे-नाइट स्पेशल कैंप के छठे दिन रविवार को जीवीएम गर्ल्स कॉलेज, सोनीपत की एनएसएस यूनिट द्वारा गांव ठरू मे निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता प्रदान करना तथा निःशुल्क चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध करवाना था। संस्था के प्रधान डा. ओपी परूथी और कॉलेज की प्राचार्या डा. मंजुला स्पाह ने डॉक्टरों की टीम और ग्राम पंचायत का आभार व्यक्त करते हुए सफल आयोजन के लिए सभी को शुभकामनाएं दी और कहा कि ऐसे शिविर समाज में स्वास्थ्य जागरूकता फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने स्वयंसेविकाओं को प्रेरित करते हुए संदेश दिया 'न शुल्क लगेगा, न डर लगेगा, स्वास्थ्य जांच से हर रोग मिटेगा'। इस अवसर पर एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी रुचिका विरमानी, सहायक कार्यक्रम अधिकारी, प्रोफेसर मीना (एनएसएस) तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन : 9253681005, 9253681010

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन 0130-4012310, 9253681028

जुआं स्थित वैदिक ज्ञान योग महाविद्यालय में आयोजित 17वां वार्षिक उत्सव समारोह संपन्न

विषम परिस्थितियों में भी आचार्य अपनी संस्कृति से युवाओं को जोड़ रहे : छिक्कारा

खास बातें
1. भजन एवं उपदेश सत्र में विद्वानों ने अपने विचार रखें
2. आचार्य वेदनिष्ठ ने मंत्रोच्चारण के साथ श्रद्धालुओं से यज्ञ में आहुति डलवाई
3. युवाओं से अच्छी संगति के साथ शिक्षा ग्रहण करने का किया आह्वान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

वैदिक ज्ञान यज्ञ योग धर्मार्थ न्यास की ओर से गांव जुआं स्थित वैदिक ज्ञान योग महाविद्यालय (गुरुकुलम्) में आयोजित दो दिवसीय 17वें वार्षिक उत्सव एवं सत्संग समारोह का दूसरा दिन रहा। समारोह के दूसरे दिन की शुरुआत सुबह कुरुक्षेत्र से यज्ञ के ब्रह्मा स्वामी विदेह योगी के ब्रह्म तत्व में आचार्य वेदनिष्ठ ने मंत्रोच्चारण के साथ श्रद्धालुओं से यज्ञ में आहुति डलवाकर की। भजन एवं उपदेश सत्र में अनेक विद्वानों ने अपने विचार रखें। तत्पश्चात आर्यजनों व श्रद्धालुओं के लिए भंडारा लगाया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में हरियाणा राज्य सूचना आयुक्त डॉ. कुलबीर छिक्कारा ने शिरकत की। विशिष्ट अतिथि के रूप में सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा के प्रतिनिधि डॉ. रविंद्र शर्मा, सोनीपत के पूर्व एसडीएम सुरेंद्र दून ने भाग लिया। आयोजकों की ओर से अतिथियों का स्वागत कर उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

सोनीपत। गांव जुआं स्थित गुरुकुलम् में आयोजित वार्षिक उत्सव एवं सत्संग समारोह में अपने विचार रखते हरियाणा राज्य सूचना आयुक्त डॉ. कुलबीर छिक्कारा।

सोनीपत। गांव जुआं स्थित गुरुकुलम् में वार्षिक उत्सव एवं सत्संग समारोह के समापन पर लगाए गए भंडारे में प्रसाद ग्रहण करते श्रद्धालु व ग्रामीण।

युवाओं को संस्कारवान बनाने के लिए किया प्रेरित

समारोह में राज्य सूचना आयुक्त डॉ. कुलबीर छिक्कारा ने अपने विचार रखते हुए कहा कि आज की इतनी विषम परिस्थितियों में भी आचार्य जन गुरुकुलों का संचालन कर युवाओं का मार्गदर्शन कर रहे हैं। वह समाज को अपनी परंपराओं, संस्कृति व धर्म से जोड़ने का कार्य कर रहे हैं। डॉ. कुलबीर छिक्कारा ने कहा कि हमें युवाओं को अपनी प्राचीन संस्कृति से रूबरू करवाते हुए उन्हें संस्कारवान बनाना होगा। महर्षि स्वामी दयानंद सरस्वती ने सत्यार्थ प्रकाश में लिखा है कि भगवान श्रीकृष्ण एक देवतातुल्य इंसान व आप्त पुरुष थे, जिनके जीवन में जन्म से मृत्यु तक किसी प्रकार का कोई अवगुण नहीं था। देशभक्तों की कुर्बानी से हमें जो आजादी प्राप्त हुई है, इसके लिए हमें उनके दिखाए मार्ग पर चलना चाहिए। वार्षिक उत्सव में बिजनौर से भजनोपदेशक टीकमचंद आर्य, हिसार से आचार्य वेदव्रत ने भारतीय संस्कृति व परंपरा के संरक्षण पर अपने विचार रखे। साथ ही युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने युवाओं से अच्छी संगति के साथ गुरुकुल में शिक्षा ग्रहण करने का आह्वान किया। इससे अभिभावक भी अपनी संतान में अच्छे संस्कारों का ज्ञान अर्जित कर सकेंगे।

आचार्य सत्यवान ने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला

आचार्य सत्यवान ने गुरुकुल व शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। भजनोपदेशक टीकमचंद आर्य ने स्वामी दयानंद सरस्वती की जीवनी, ईश्वर उपासना व देशभक्ति को भजनों के माध्यम से प्रस्तुत किया। समारोह में प्रधान मास्टर सुरजीत सिंह, कोषाध्यक्ष सत्यप्रकाश मलिक, सचिव संजीव आर्य, नरेंद्र सिंह बूरा, सुरेश आंतिल, संजय, डॉ. महिपाल आर्य, संदीप आर्य, कुलबीर सिंह छिक्कारा, जितेंद्र सिंह आर्य, वेद प्रचार मंडल के प्रधान देवेंद्र आर्य सहित गुरुकुल वासी व ग्रामीण मौजूद रहे।

सोनीपत। गांव जुआं स्थित गुरुकुलम् में आयोजित वार्षिक उत्सव में डॉ. कुलबीर छिक्कारा को स्मृति चिन्ह प्रदान करते आयोजक।

सरकार ने आम आदमी की कमर तोड़ीः दीवान

महंगाई व गैस किल्लत पर कांग्रेस का हल्लाबोल, आंदोलन की दी चेतावनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

बढ़ती महंगाई और घरेलू गैस सिलेंडर की किल्लत को लेकर कांग्रेस पार्टी ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। रविवार को वार्ड नंबर 9 के गांव लिवासपुर में कांग्रेस द्वारा राजेश सरोहा के नेतृत्व में जनसभा का आयोजन किया गया, जिसमें कार्यकर्ताओं ने भाजपा सरकार की नीतियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। जनसभा में मुख्य अतिथि के रूप में कांग्रेस के शहरी जिला अध्यक्ष कमल दीवान और ग्रामीण जिला अध्यक्ष संजीव दहिया ने शिरकत की। कमल दीवान ने कहा कि भाजपा सरकार के शासन में आम आदमी का जीना मुहाल हो गया है। उन्होंने विशेष रूप से रसोई गैस की बढ़ती कीमतों पर प्रहार करते हुए कहा कि सरकार ने एक बार फिर सिलेंडर के दाम में 60 रुपये की बढ़ोतरी कर जनता की कमर तोड़ दी है। कमल दीवान ने गैस सिलेंडर की अनुपलब्धता का मुद्दा उठाते हुए कहा कि केवल दाम बढ़ना ही समस्या नहीं है, बल्कि अब सिलेंडर समय पर मिल भी नहीं रहे हैं। इस किल्लत का सबसे बुरा असर छोटे व्यापारियों पर पड़ रहा है। जिला अध्यक्ष संजीव दहिया ने कहा कि भाजपा की जनविरोधी नीतियों के कारण आज हर वर्ग त्रस्त है।

सोनीपत। कार्यक्रम के दौरान लोगों को संबोधित करते हुए कमल दिवान एवं अन्य।

जनविरोधी नीतियों का विरोध करने का आह्वान

इस अवसर पर जिला अध्यक्ष जय भगवान अंतिल, अशोक सरोहा, संगठन महासचिव मुकेश पन्नालाल, कोसा अध्यक्ष नीटू दहिया, उपाध्यक्ष प्रशांत शर्मा, उपाध्यक्ष सतपाल कौशिक, महासचिव राजेश सेवली, सचिव अंकित मेहता, जयवीर अंतिल, पूर्व प्रधान लीलू ककरोई, अशोक शर्मा सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभा के अंत में कांग्रेस पदाधिकारियों ने ग्रामीणों को एकजुट होकर जनविरोधी नीतियों का विरोध करने का आह्वान किया। इसके अलावा महंगाई को लेकर अन्य स्थानों पर भी कार्यक्रम आयोजित किए गए।

सोनीपत। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोग।

भक्ति व संगीत की धुन पर झूमा सोनीपत

सोनीपत। श्रीजी इंटरनेशनल स्कूल के प्रांगण में शनिवार को आयोजित भजन क्लबिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम ने लोगों को भक्ति और संगीत की अनोखी अनुभूति कराई। कार्यक्रम में लोग और देर शाम तक भजनों की मधुर धुनों पर झूमते रहे। कार्यक्रम की विशेषता यह रही कि पारंपरिक भजनों को आधुनिक संगीत शैली के साथ प्रस्तुत किया गया, जिसने खासकर युवा पीढ़ी को बहुत आकर्षित किया। रॉक बैंड और कलाकारों की दमदार प्रस्तुतियों ने पूरे माहौल को भक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम स्थल पर लगी प्रदर्शनियों और फूड स्टॉल का भी लोगों ने भरपूर आनंद लिया। श्रीजी इंटरनेशनल स्कूल के चेयरमैन राकेश कुच्छल ने कहा कि आज के समय में युवा पीढ़ी को धर्म और संस्कारों से जोड़ना बहुत आवश्यक है और भजन, कीर्तन व सत्संग जैसी परंपराएं हमारी संस्कृति की अमूल्य धरोहर हैं, जो मन को शांति और जीवन को सकारात्मक दिशा देती हैं। उन्होंने बताया कि भजन क्लबिंग जैसे नए और आकर्षक माध्यम से युवाओं को भक्ति से जोड़ने का प्रयास किया गया है, ताकि वे आधुनिकता के साथ-साथ अपनी सांस्कृतिक जड़ों से भी जुड़े रहें।

धूमधाम से मनाया गोशाला का वार्षिक उत्सव और स्थापना दिवस समारोह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

राजपुर गोशाला सेवा समिति द्वारा गोशाला का वार्षिक उत्सव स्थापना दिवस समारोह धूमधाम से मनाया गया। समारोह में बतौर मुख्यातिथि कैबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पवार की धर्मपत्नी होशियारी देवी ने शिरकत की । होशियारी देवी का मायके में बनी गोशाला के स्थापना दिवस पर पहुंचने पर बड़े ही जोश व उत्साह, ढोल नगाड़ों से ग्रामीणों व बुजुर्ग महिलाओं ने स्वागत किया। हरियाणवी लोक गायक सुरेश बिंदानिया व मनीषा दादरी ने रागनी के माध्यम से गोसेवा के महत्व पर प्रकाश डाला। मायके में गोशाला के कार्यक्रम में पहुंचने पर होशियारी देवी ने संबोधित करते हुए कहा कि इतना मान सम्मान आज उसे गांव में बुजुर्ग ,माता, बहनों व भाइयों ने दिया है, उसे वह हमेशा याद रखेगी। राजपुर गोशाला सेवा समिति के संस्थापक राजेश राठी, रणधीर राठी, सतपाल राठी पूर्व प्राचार्य, राजपुर गांव के सरपंच कपिल, सरपंच प्रतिनिधि अजय,सुरेंद्र मोर, इंद्रजीत आदि ने समिति की तरफ से होशियारी देवी को स्मृति चिन्ह देकर सम्मान करते हुए आभार जताया। मुख्य अतिथि होशियारी देवी ने गोशाला के शेड निर्माण के लिए 11 लाख रुपए देने की घोषणा की व गोमाता का प्रचार कर रहे कलाकारों का 1100 रुपए देकर सम्मान किया। समिति द्वारा जगपाल राठी द्वारा 2 लाख 11 हजार, समाजसेवी सुरेंद्र मलिक पुत्र धन सिंह मलिक द्वारा एक लाख 11 हजार, दिलबाग राठी51 हजार के अलावा बिजेंद्र सरोहा, अमित राठी, कर्मवीर राठी महेंद्र राठी का दान राशि देने पर आभार जताया। इस मौके पर सावन सरपंच राजलू, त्रिलोकचंद शर्मा, सतवीर, रणवीर, महेंद्र के अलावा गणमान्य लोग मौजूद थे।

- कैबिनेट मंत्री की धर्मपत्नी होशियारी देवी का समारोह में ग्रामीणों ने किया भव्य स्वागत

सोनीपत। कार्यक्रम में पहुंचें भाजपा नेता राजीव जैन का स्वागत करते हुए।

बाबा श्याम मनोकामना करते पूर्ण : जैन

सोनीपत। नगर निगम के निवर्तमान मेयर राजीव जैन ने कहा कि खाटू श्याम जी भगवान कृष्ण के अवतार हैं और निर्बल, क्षीण और हारे हुए को सहारा देने वाले बाबा श्याम सबकी मनोकामना पूर्ण करते हैं। शम्भू दयाल स्कूल के प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम में राजीव जैन मुख्यातिथि के तौर पर पहुंचे। उन्होंने जोत प्रज्वलित की और बाबा को अंगवस्त्र भेंट करने उपरांत श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि सदियों से बाबा श्याम हारे तथा निर्बल लोगों को आगे बढने की प्रेरणा के स्त्रोत हैं। उन्होंने कहा कि भगवान कृष्ण के अवतार बाबा श्याम वर्तमान युग में हर जरूरतमंद और सहारे की उम्मीद रखने वाले शख्स का भला करते हैं तथा उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं। बाबा श्याम के संकीर्तन के मुख्य गायक जयपुर की उमा लहरी, आगरा की गोरी साक्षी, सफीदों के सलीम पारवा, मोहित सैनी, नरेश पुनिया रहे। सभी गायकों ने बाबा श्याम के प्रति अपने अपने भजनों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर प्रबुद्धजन मौजूद रहे।

समाज कल्याण संगठन ने चम्पा के 29 पौधे लगाए

गोहाना। समाज कल्याण संगठन द्वारा रविवार को पौधारोपण अभियान चलाया। शहर में रोहतक रोड के बीच बनाए गए नए डिवाइडर पर चम्पा के 29 पौधे लगाए गए। तीन पौधे सूखे मिले, जिनकी जगह नए पौधे लगाए गए। पौधारोपण की अध्यक्षता संगठन के अध्यक्ष आनंद जांगड़ा ने की। रोहतक रोड के फुटपाथ पर पहले लगाए गए पौधों की देखभाल करते हुए निराई करके सिंचाई की गई। आसपास के दुकानदारों को पौधे लगाने के लिए प्रेरित किया गया। फुटपाथ पर लगाए गए पौधों की देखभाल करने का आह्वान किया। पौधारोपण में मनोज प्रजापति, सुनील, अभिनव, राजेश, बलजीत जांगड़ा व हरीश पांचाल ने श्रमदान किया।

जनहित अभियान फाउंडेशन ने लगाया रक्तदान शिविर

सोनीपत। जनहित अभियान फाउंडेशन की ओर से गोहाना रोड स्थित प्रधान होम डेकोर पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन एडवोकेट राकेश सहरावत बवाना ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि रक्तदान सबसे बड़ा मानव सेवा का कार्य है और प्रत्येक युवा को वर्ष में कम से कम चार बार रक्तदान करने के लिए आगे आना चाहिए। फाउंडेशन के अध्यक्ष नरेंद्र हुड्डा ने बताया कि शिविर में 50 रक्तदाताओं ने स्वेच्छा से रक्तदान कर जरूरतमंद मरीजों की मदद का संदेश दिया। इस मौके पर पार्षद संजय बड़वासनी, अंग्रेजी प्रवक्ता पूर्ण सिंह, प्रधान राहुल मलिक, एडवोकेट अजय दहिया, प्रो कबड्डी स्टार विजय मलिक, रविंदर हुड्डा, मोहित मलिक, सचिन खत्री, विकी छिकारा, रजत बूरा और विकास मलिक सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

कार्यक्रम सेक्टर-23 में नेशनल स्टाइल कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन

अनुशासन की सीख देते हैं खेल : देवीदास

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सेक्टर-23 स्थित शहीद भगत सिंह स्पोर्ट्स ग्राउंड में नेशनल स्टाइल कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 30 किलोग्राम और 38 किलोग्राम वर्ग में महिला एवं पुरुष खिलाड़ियों के मुकाबले आयोजित किए गए। प्रतियोगिता में विभिन्न स्थानों से आए खिलाड़ियों ने दमखम दिखाया और रोमांचक मुकाबलों के जरिए दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर भारतीय जनता पार्टी के जिला महामंत्री तरुण देवीदास ने शिरकत की। उनके पहुंचने पर आयोजकों और खिलाड़ियों ने फूलमालाओं से स्वागत किया। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला और मैदान पर कबड्डी के दांव-पेंच से दर्शक भी रोमांचित नजर आए। इस अवसर पर जिला महामंत्री तरुण देवीदास ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल युवाओं को अनुशासन, आत्मविश्वास और टीम भावना की सीख देते हैं।

सोनीपत। विजेताओं को पुरस्कृत करते हुए भाजपा नेता तरुण देवीदास।

कबड्डी जैसे खेल हमारी संस्कृति से जुड़े हुए

कबड्डी जैसे पारंपरिक खेल हमारी संस्कृति और पहचान से जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि खेलों से शारीरिक और मानसिक विकास होता है तथा युवा नशे जैसी बुराइयों से दूर रहते हैं। उन्होंने खिलाड़ियों को मेहनत और लगन से आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया और कहा कि सरकार भी खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। कार्यक्रम के अंत में विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जोगिंदर छिक्कारा, टीना दहिया, विक्रम मेहरा साहित्य सैकड़ो खेल प्रेमी मौजूद रहे।